



IIPDF योजना

प्रलिस के लयः

भारत अवसंरचना परयोजना वकिस नधऱ योजना (IIPDF योजना), सार्वजनकऱ-नजऱऱ भागीदारी (PPP) ढडल, बलऱड-ऑपरेट-ट्रांसफर (BOT), बलऱड-ओन-ऑपरेट (BOO), बलऱड-ऑपरेट-लीज-ट्रांसफर (BOLT), डज़ाऱन-बलऱड-ऑपरेट-ट्रांसफर (DBFOT), लीज-डेवलप-ऑपरेट (LDO), ऑपरेट-मेंटेन-ट्रांसफर (OMT) ।

ढेन्स के लयः

सार्वजनकऱ-नजऱऱ भागीदारी का समर्थन करने के लयऱ ढहल और वकिस योजनाएँ ।

चरचा में क्यऱँ?

हाल ही में आर्थकऱ ढाढलों के वढऱग (DEA), वतऱत ढंत्रालय ने सार्वजनकऱ-नजऱऱ भागीदारी (PPP) परयोजनाओं के परयोजना वकिस वयय के लयऱ वतऱतीय सहायता हेतु भारत अवसंरचना परयोजना वकिस नधऱ योजना (IIPDF योजना) को अधसूचितऱ कयऱ ।

भारत अवसंरचना परयोजना वकिस नधऱ योजना (IIPDF योजना):

परचऱयः

- IIPDF योजना की स्थापना वर्ष 2007 में की गई थी ।
- यह वर्ष 2022-23 से 2024-25 तक तीन साल की अवधऱ के लयऱ 150 करोडऱ रुपए के कुल परवऱयय के साथ ँकेंद्रीय कषेत्र की योजना है ।
- यह परयोजना वकिस लागत को ढूरा करने के लयऱ PPP परयोजनाओं के ढरायोजक ढ्राधकऱरणों के लयऱ उपलब्ध है ।
 - PPP परयोजना वकिस गतवऱधऱयऱँ को शुरू करने और बडे नीतऱ ँवं नयऱढक ढुददों को संबोधतऱ करने के लयऱ PPP सेल का नऱऱढाण तथा उनहें सशकत बनाने हेतु ढरायोजक ढ्राधकऱरण के लयऱ यह आवशऱक होगा ।

उददेशऱयः

- इसका उददेशऱय गुणवत्ताढूरण परयोजना वकिस गतवऱधऱयऱँ के लयऱ वतऱतीय सहायता ढरदान करना है ।

ढहतत्वः

- ढरायोजक ढ्राधकऱरण, PPP लेन-देन लागत के ँक हसऱसे को कवर करने के लयऱ वतऱतऱषण के स्रोत के रूप में सकषढ होगऱजसऱसे उनके बजट ढर खरीद से संबधतऱ लागतों के ढरभाव को कढ कयऱ जा सकेगा ।

वतऱतीय ढरवऱययः

- IIPDF परयोजना वकिस खरच का 75% तक ढरायोजक ढ्राधकऱरण को बऱऱऱ ढुकत ःण के रूप में योगदान देगा । शेष 25% ढरायोजक ढ्राधकऱरण दऱऱारा सह-वतऱतऱषतऱ कयऱ जाऱगा ।
- बोली ढरकरयऱ के सफल सढापन ढर सफल बोलीदाता से परयोजना वकिस वयय की वसूली की जाऱगी ।
- हालाँकऱ बोली की वफऱलता के ढाढले में ःण को अनुदान में ढरवऱरतऱ कयऱ जाऱगा ।
- यदऱ ढरायोजक ढ्राधकऱरण कसऱँ कारण से बोली ढरकरयऱ ढूरी नहीं करता है, तो योगदान की गई ढूरी राशऱ IIPDF को वाढस कर दी जाऱगी ।

सार्वजनकऱ-नजऱऱ भागीदारी (PPP) ढडल के ढरकारः

- **बलऱड-ऑपरेट-ट्रांसफर (BOT):** यह ँक ढारंढरकऱ PPP ढडल है जसऱमें नजऱऱ भागीदार डज़ाऱन, नऱऱढाण, संचालन (अनुबधतऱ अवधऱ के दूरान) और सुवधऱ को सार्वजनकऱ कषेत्र में वाढस स्थानांतरतऱ करने के लयऱ ज़ढऱढेदार होते हैं ।
 - नजऱऱ कषेत्र के भागीदार को कसऱँ परयोजना के लयऱ वतऱतऱ की वयवस्था करनी होती है और इसके नऱऱढाण ँवं रखरखाव की ज़ढऱढेदारी लेनी होती है ।
 - सार्वजनकऱ कषेत्र, नजऱऱ कषेत्र के भागीदारों को उपयोजकऱताओं से राजसुव ँकतर करने की अनुढतऱ देगा । PPP ढड के तहत NHA

द्वारा अनुबंधित राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ BOT मॉडल का एक प्रमुख उदाहरण है।

- **बिल्ड-ओन-ऑपरेट (BOO):** इस मॉडल में नवनिर्मित सुविधा का स्वामित्व नज्जी पार्टी के पास रहेगा।
 - पारस्परिक रूप से नयियों और शर्तों पर सार्वजनिक क्षेत्र की भागीदार परियोजना द्वारा उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं की 'खरीद' करने पर सहमति बनाई जाती है।
- **बिल्ड-ओन-ऑपरेट-ट्रांसफर (BOOT):** इसके अंतर्गत समय पर बातचीत के बाद परियोजना को सरकार या नज्जी ऑपरेटर को स्थानांतरित कर दिया जाता है।
 - BOOT मॉडल का उपयोग राजमार्गों और बंदरगाहों के विकास के लिये किया जाता है।
- **बिल्ड-ऑपरेट-लीज़-ट्रांसफर (BOLT):** इस मॉडल में सरकार नज्जी साझेदार को सुविधाओं के निर्माण, डज़ाइन, स्वामित्व और लीज़ का अधिकार देती है तथा लीज़ अवधि के अंत में सुविधा का स्वामित्व सरकार को हस्तांतरित किया जाता है।
- **डज़ाइन-बिल्ड-फाइनेंस-ऑपरेट (DBFO):** इस मॉडल में अनुबंधित अवधि के लिये परियोजना के डज़ाइन, उसके विनिर्माण, वित्त और परिचालन का उत्तरदायित्व नज्जी साझेदार पर होता है।
- **लीज़-डेवलप-ऑपरेट (LDO):** इस प्रकार के निवेश मॉडल में **या तो सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र के पास** नवनिर्मित बुनियादी ढाँचे की सुविधा का स्वामित्व बरकरार रहता है और नज्जी प्रमोटर के साथ लीज़ समझौते के रूप में भुगतान प्राप्त किया जाता है।
 - इसका पालन अधिकतर एयरपोर्ट सुविधाओं के विकास में किया जाता है।
- **इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (EPC) मॉडल:** इस मॉडल के तहत लागत पूरी तरह से सरकार द्वारा वहन की जाती है। सरकार नज्जी कंपनियों से इंजीनियरिंग कार्य के लिये बोलियाँ आमंत्रित करती है। कच्चे माल की खरीद और निर्माण लागत सरकार द्वारा वहन की जाती है। नज्जी क्षेत्र की भागीदारी न्यूनतम तथा इंजीनियरिंग विशेषज्ञता के प्रावधान तक सीमित होती है। इस मॉडल की एक समस्या यह है कि इससे सरकार पर वित्तीय बोझ बढ़ता है।
- **हाइब्रिड एनयुटी मॉडल (HAM):** भारत में नया HAM, BOT-एनयुटी और EPC मॉडल का मशरूण है। डज़ाइन के अनुसार, सरकार वार्षिक भुगतान के माध्यम से पहले पाँच वर्षों में परियोजना लागत का 40% योगदान देगी। शेष भुगतान सृजित परिसंपत्तियों एवं **विकासकर्ता के प्रदर्शन** के आधार पर किया जाएगा।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. सार्वभौम अवसंरचना सुविधा (ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर फ़ैसलिटी)- (2017)

- (a) एशिया में अवसंरचना के उन्नयन के लिये ASEAN का उपकरण है, जो एशियाई विकास बैंक द्वारा दिये गए साख (क्रेडिट) से वित्तपोषित है।
- (b) गैर-सरकारी क्षेत्र और संस्थागत निवेशकों की पूंजी का संग्रहण कर सकने के लिये विश्व बैंक का सहयोग है, जो जटिल अवसंरचना सरकारी गैर-सरकारी भागीदारियों (PPPs) की तैयारी और संरचना-निर्माण को सुकर बनाना है।
- (c) OECD के साथ कार्य करने वाले विश्व के प्रमुख बैंकों का सहयोग है, जो उन अवसंरचना परियोजनाओं को वसितारित करने पर केंद्रित है जिनमें गैर-सरकारी विनिवेश संग्रहण करने की क्षमता है।
- (d) UNCTAD द्वारा वित्तपोषित उपकरण है जो विश्व में अवसंरचना के विकास को वित्तपोषित करने और सुकर बनाने का प्रयास करता है।

उत्तर: B

व्याख्या:

- वर्ष 2014 में, विश्व बैंक ने ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर फ़ैसलिटी (GIF) शुरू की, जो बहुपक्षीय विकास बैंकों (MDBs), नज्जी क्षेत्र के निवेशकों और वित्तपोषकों, उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (EMDE) के बुनियादी ढाँचे के निवेश में रुचि रखने वालों के बीच सरकार के प्रयासों का सार्वजनिक-नज्जी-भागीदारी के माध्यम से समन्वय और एकीकरण करती है।
- ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर फ़ैसलिटी (GIF) बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को अच्छी तरह से संरचित कर इसको संचालित करने में सरकारों की सहायता करता है। यह परियोजना की डज़ाइन, तैयारी, संरचना, अंतरण और कार्यान्वयन गतिविधियों के स्पेक्ट्रम को कवर करती है, GIF के तकनीकी और सलाहकार भागीदार संयुक्त विशेषज्ञता के आधार पर डज़ाइन और संरचना पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो नज्जी निवेशकों की एक वसितृत शृंखला को आकर्षित कर सकती हैं।

अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

?????????:

प्रश्न: सार्वजनिक-नज्जी भागीदारी (PPP) मॉडल के तहत संयुक्त उद्यमों के माध्यम से भारत में हवाई अड्डों के विकास का परीक्षण कीजिये। इस संबंध में अधिकारियों के सामने क्या चुनौतियाँ हैं? (मुख्य परीक्षा, 2017)

प्रश्न. ढाँचागत परियोजनाओं में सार्वजनिक-नज्जी भागीदारी (PPP) की आवश्यकता क्यों है? भारत में रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास में PPP मॉडल की भूमिका का परीक्षण कीजिये। (मुख्य परीक्षा, 2022)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/ipdf-scheme>

